हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रमस्य अध्यायानुसारम् अङ्कानांविभाजनम् (2024-25)

कक्षा – पूर्वमध्यमा सहमाध्यमिक परीक्षा विषयः – संस्कृत साहित्य कोड–1003

1- सम्पूर्ण पाठ्य क्रमस्य आधारे एका वार्षिकी परीक्षा भविष्यति।

2- वार्षिकी परीक्षा 80 अङ्कानां भविष्यति एव ञ्चआन्तररकांमूल्याङ्कनां 20 अङ्कानां भविष्यति।

3- आन्तरिक मूल्याङ्कनस्य कृते निम्नानुसारम आवधिक मुल्यांकन भविष्यति–

1) **6 अङ्कानांकृते** - 3 सैट (SAT) परीक्षाणाम् आयोजनं भविष्यति। तासु परीक्षासु अन्तिमान्तरिक मूल्याङ्कने 06 अङ्कानांभाराङ्को भविष्यति।

2) **2 अङ्कयोःकृते**- एका अर्धवार्षिकी परीक्षा भविष्यति। यस्याः अन्तिमान्तरिक मूल्याङ्कने 02 अङ्कयोःभाराङ्को भविष्यति।

3) **2 अङ्कयोःकृते**-शिक्षकाः कक्षा कक्षयोःसहभागितायाः कृते मूल्यांकने करिष्यन्तिएवञ्च अधिकतम द्वौ अंकौ अन्तिमान्तरिक मूल्याङ्कने दास्यन्ति |

4) **5अङ्कानांकृते**- छात्राः परियोजना कार्यं करिष्यन्ति।यस्य अन्तिमान्तरिक मूल्याङ्कने 05 अङ्कानांभाराङ्को भविष्यति।

5) **5अङ्कानांकृते**- छात्राणाम् उपस्थितेः अनुसारेण अधिकतमाः 05 अंकाप्रदीयन्ते :-

75% तः	**80% पर्यन्तम् = 01 अङ्काः**
80% तःउपरि	**85% पर्यन्तम् = 02 अङ्कौ**
85% तःउपरि	**90% पर्यन्तम् = 03 अङ्का**
90% तःउपरि	**95% पर्यन्तम् = 04 अङ्का**
95% तःउपरि	**= 05 अङ्का**

पाठ्यक्रमस्य संरचना (2024-25)

कक्षा - पूर्वमध्यमासहमाध्यमिकपरीक्षाविषयः - संस्कृतसाहित्यकोड–1003

क्रमसंख्या	आकलनबिन्दव	अंकाः
1	**खण्ड (क)हितोपदेश -मित्रलाभ** • गद्योंकीव्याख्या • कथासार (हिन्दीमें) • श्लोकव्याख्या • मित्रलाभगद्यभागसेप्रश्न	 12 06 08 10
2	**खण्ड (ख) श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय** • गीतामहात्म्य -द्वितीयअध्यायकासार • श्रीमद्भगवद्गीताश्लोकव्याख्या • श्रीमद्भगवद्गीताश्लोकोंसेप्रश्न	 06 12 10
3	**खंड (ग) बहुविकल्पीयप्रश्न** पाठाधारितअभयासात – **(पाठ्यपुस्तक –** श्रीमद्भगवद्गीता, मित्रलाभ**)**	 16
	योगः	80
	आन्तरिकमुल्यांकनम	20
	सम्पूर्णाङ्का	100

हितोपदेशमित्रलाभ -
अस्मिन्ग्रन्थे उपदेशज्ञानं शिक्षाज्ञानं कथाज्ञानं गद्यज्ञानं पद्यज्ञानं छन्दज्ञानं स्वरज्ञानं गुणरीतिज्ञानं प्रसंगज्ञानं प्रकरणज्ञानं कथायाशिक्षाज्ञानं मित्राणां ज्ञानं अवज्ञानस्य लाभज्ञानं इति
श्रीमद्भगवद्गीता - द्वितीयअध्याय
श्रीमहाभारते शतसाहस्त्रायां गीतासूपनिषत् सुब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जूनसंवादे सांख्ययोगविषयकथयति। श्लोकमध्यमेन योगस्य ज्ञानं वृतज्ञानं छन्दज्ञानं गायनज्ञानं ज्ञायते इति ज्ञानं भीष्मादिअशोच्य कथं सन्ति अतैव यद्तेनित्य अस्ति। कर्मज्ञानं निशा ज्ञानं श्रीकृष्ण अर्जुनश्च एक अलौकिक सम्बन्ध ज्ञानं योगस्य अयं गूढतम ज्ञानं, कर्मयोग ज्ञानं भक्तियोग ज्ञानं ज्ञानयोग ज्ञानं इति।

मासिकपाठ्यक्रमस्यशिक्षण-योजना(2024-25)

कक्षा – पूर्व मध्यमा सहमाध्यमिक परीक्षा विषयः – संस्कृत साहित्य कोड–1003

मास	पाठ्यपुस्तकस्यनाम	पाठ्यबिन्दवः	शिक्षणस्यकालांशाः	पुनरावृतेकालांशाः
अप्रैल	हितोपदेशमित्रलाभ श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय	हितोपदेशकथामुखम द्वितीयअध्यायकासार	**4**	**2**
मई	श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय	गीताद्वितीयअध्याय1 से 5 श्लोक	**5**	**3**
जून	*****	**ग्रीष्मकालीनअवकाश**	*****	*****
जुलाई	हितोपदेशमित्रलाभ	गृधऔरमार्जरकीकथा	**6**	**3**
अगस्त	हितोपदेशमित्रलाभ श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय	हिरण्यककथा गीताद्वितीयअध्याय 6से 12श्लोक	**5**	**3**
सितम्बर	हितोपदेशमित्रलाभ श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय	संचयशीलश्रृंगालकीकथा गीताद्वितीयअध्याय 13से 19श्लोक	**6**	**4**
अक्टूबर	हितोपदेशमित्रलाभ श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय	हाथीऔरस्यारकीकथा गीताद्वितीयअध्याय 20से 26श्लोक	**5**	**3**
नवम्बर	श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय	गीताद्वितीयअध्याय 27से 36श्लोक	**5**	**3**
दिसम्बर	श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय	गीताद्वितीयअध्याय 37से 46श्लोक	**4**	**2**
जनवरी	श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय	गीताद्वितीयअध्याय 47से 56श्लोक	**4**	**2**
फरवरी	*****	**पुनरावृति**	*****	*****
मार्च	*****	**परीक्षाएवंमुल्याकंन**	*****	*****

निर्धारितपुस्तकानि–

1. **हितोपदेशमित्रलाभ**
2. **श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय**

प्रश्नपत्रस्यप्रारूपम (2024-25)

कक्षा – पूर्व मध्यमा सहमाध्यमिक परीक्षा विषयः – संस्कृत साहित्य कोड–1003

प्रश्नानांप्रकारः	अंकाः	संख्या	विवरणम्	पूर्णांकाः
बहुविकल्पीयप्रश्नाः	1	16	16 बहुविकल्पीयप्रश्नाः	16
अतिलघुउत्तरीयप्रश्नाः	2	10	पाठ्यपुस्तक – श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय, मित्रलाभ	20
लघुउत्तरीयप्रश्नाः	4	5	पाठ्यपुस्तक – श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय, मित्रलाभ	20
निबन्धात्मकप्रश्नाः	6	4	पाठ्यपुस्तक – श्रीमद्भगवद्गीताद्वितीयअध्याय, मित्रलाभ	24
योगः		35		80